कार्यक्रम

शुक्रवार, 12 अगस्त, 2022

प्रात: 09-00 से 05-00 : आगमन तथा पंजीकरण
सायं 05-30 से 06-00 : शिक्षा प्रभाग पर वीडियो शो
06-00 से 07-30 : **उद्घाटन सत्र**
शिक्षा में अध्यात्म : करूणा और दया

शनिवार, 13 अगस्त, 2022

प्रात: 07-00 से 08-30 : **राजयोग सत्र-I : स्व-अस्तित्व की पहचान**
10-00 से 11-00 : **सत्र 1 :** शिक्षक एक दयालु मार्गदर्शक के रूप में
11-00 से 11-15 : ब्रेक
11-15 से 12-30 : **सत्र 2 :** प्रेम व बुद्धिमता से परिवार की देखभाल
सायं 05-00 से 06-00 : **सत्र 3 :** क्रोध पर नियंत्रण
06-00 से 07-00 : **सत्र 4 :** अधिक सोचने से कैसे बचें?
07-00 से 07-30 : रचनात्मक मेडिटेशन : दया

रविवार, 14 अगस्त, 2022

प्रात: 07-00 से 08-30 : **राजयोग सत्र-II : सर्वोच्च सत्ता की पहचान**
10-00 से 11-00 : **सत्र 5** : थॉट लैब का अद्वितीय विचार एवं प्रयोग
11-00 से 11-15 : ब्रेक
11-15 से 12-30 : **सत्र 6** : डर और चिन्ता पर विजय
सायं 05-00 से 06-00 : **सत्र 7** : सोशल मीडिया के दुर्व्यसन का उपचार
06-00 से 07-00 : **सत्र 8** : पैनल डिस्कशन
07-00 से 07-30 : रचनात्मक मेडिटेशन : साहस

सोमवार, 15 अगस्त, 2022

प्रात: 07-00 से 08-30 : **राजयोग सत्र-III : राजयोग का आधार व विधि**
09-30 से 11-00 : **समापन सत्र**
दोप. 01-00 के पश्चात् : माउण्ट आबू दर्शन

मंगलवार, 16 अगस्त, 2022

प्रात: 07-00 से 08-30 : **राजयोग सत्र-IV: आन्तरिक अष्ट-शक्तियों की खोज**
09-30 के पश्चात् : सकारात्मक नवनिर्माण के लिए प्रस्थान

www.educationwing.com

EDUCATION WING, R.E.R.F.
WISDOM FOR A NEW WORLD

सादर निमंत्रण

शिक्षा में अध्यात्म - करूणा और दया

विषय पर

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षाविदों का महासम्मेलन

12 से 16 अगस्त, 2022

ब्रह्माकुमारीज़, ग्लोबल ऑडिटोरियम,
मनमोहिनीवन परिसर, आबू रोड (राजस्थान)

आयोजक:
शिक्षा प्रभाग, राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन तथा
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय : माउण्ट आबू - 307 501 (राजस्थान)

शिक्षा में अध्यात्म - करूणा और दया

विषय पर
विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षाविदों का महासम्मेलन

परिवर्तन की शिक्षा

तेजी से बढ़ते हुए समय के साथ मनुष्य को जीवन में ताल-मेल बनाये रखने के लिए, परिवर्तन के लिए शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में बदलाव से लेकर उसे लागू करने तक की प्रक्रिया में आध्यात्मिक शिक्षा एक कड़ी का कार्य कर सकती है।

शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्रदान करना है, जिससे आप किसी भी क्षेत्र में उन्नति कर सकते हैं। जब तक शिक्षा का अर्थ "सा विद्या या विमुक्तये" के रूप में प्रतिष्ठित नहीं होगा, तब तक हम सभी अज्ञान रूपी दासत्व से मुक्त नहीं हो पायेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भारत में अमूल्य परिवर्तन के लिए नई शिक्षा नीति लागू करने की पूर्ण तैयारियां हो चुकी हैं। वर्तमान समय शिक्षा को स्वायत्तता प्रदान करने पर विचार किया जा रहा है।

वर्तमान समय शिक्षा की दशा और दिशा में सुधार के लिये परिवर्तन की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षा जैसे उत्तम व्यवसाय पर कलंक लग गया है। शिक्षकों की लगन एवं निष्ठा पर प्रश्नचिह्न है। शिक्षा के स्तर पर कोई ठोस कदम उठाया जाये। इसके लिए अब सरकार ने 'विद्या समीक्षा' केंद्र प्रारंभ किये हैं। आने वाले समय में स्कूल, कॉलेजों को मूल्य और अध्यात्म की शिक्षा देने के लिए अग्रसर होना पड़ेगा। जैसे कोई लकड़हारा बिना धार की कुल्हाड़ी से लकड़ी नहीं काटता, जैसे कोई किसान बिना हल चलाये जमीन में बीज नहीं बोता, उसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों को भी नए ज्ञान से अवगत होना होगा।

याद रहे कि शिक्षक चेतना का पुंज है। मानवीय अस्तित्व की सभी पंखुड़ियाँ खुले एवं खिले, ऐसी परिस्थिति का निर्माण करने की जिम्मेवारी शिक्षक की है।

शिक्षकों में दया और करूणा जैसे मूल्यों का विकास होना जरूरी है। चारों तरफ विश्व में अशांति और भय का वातावरण फैला हुआ है। भूख और गरीबी में लोग झुलस रहे हैं। ऐसे समय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा विद्या समीक्षा की जाती है। विश्वभर में मूल्य और आध्यात्मिकता की शिक्षा दी जाती है।

शिक्षा में अध्यात्म : करूणा और दया

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और इसके सहयोगी संगठन राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के शिक्षा प्रभाग द्वारा शिक्षा में मूल्य एवं आध्यात्मिकता का समावेश करने हेतु व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है, जिसको भारत सरकार तथा भारत के कई राज्यों की सरकार व विश्वविद्यालयों ने लागू किया है। वर्ष 2022 के लिए भी शिक्षा प्रभाग द्वारा **'शिक्षा में अध्यात्म : करूणा और दया'** विषय के माध्यम से महासम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शिक्षा प्रभाग अमृत नवसृजन के लिए और अध्यात्म एवं मूल्य शिक्षा के माध्यम से वर्तमान समय की समस्याओं से मानव को मुक्त कराने के लिए कटिबद्ध है।

हार्दिक निमंत्रण

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षाविदों का महासम्मेलन **'शिक्षा में अध्यात्म : करूणा और दया'** में भाग लेने के लिए प्रतिभागी जैसे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, शिक्षा मंत्री, शैक्षिक प्रशासक, कॉलेज के प्राचार्य, डीन, रजिस्ट्रार, एच.ओ.डी., प्रोफेसर, एसोसिएट और सहायक प्रोफेसर इत्यादि सहृदय आमंत्रित हैं। हमें विश्वास है कि यह स्नेहपूर्ण निमंत्रण अवश्य स्वीकार करेंगे।

पंजीकरण नि:शुल्क किन्तु अनिवार्य है। इस महासम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी हमारे नजदीकी ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र से संपर्क करके इस वेबसाइट (accomabu.bkinfo.in) के द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण के लिए उनकी मदद लें।

आयोजक संस्था का परिचय

शिक्षा प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.):- राजयोग एज्युकेशन एंड रिसर्च फाउण्डेशन (आर.ई.आर.एफ.) का शिक्षा प्रभाग मूल्य और अध्यात्म की शिक्षा प्रदान करने में एक अनूठी भूमिका निभा रहा है। उच्च शिक्षा में मूल्यों और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा प्रभाग ने अब तक 20 विश्वविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. किया है। मूल्यनिष्ठ शिक्षा के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा की जा रही बहुमूल्य सेवाओं को सारे विश्व में व्यापक लोकप्रियता मिली है जिसे भारत सहित अनेक देशों में शासन एवं विश्वविद्यालयों ने अपनाया है।

ब्रह्माकुमारी संस्था:- मानव मात्र के आध्यात्मिक, चारित्रिक, मौलिक एवं नैतिक उत्थान हेतु वर्ष 1937 से सतत् रूप से सेवारत **प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय** एक गैर व्यावसायिक आध्यात्मिक शिक्षा संस्थान है। इसकी भारत सहित विश्व के पाँचों महाद्वीपों में स्थित 140 देशों में हजारों सेवाकेन्द्र कार्यरत हैं। इसका अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय राजस्थान के माउण्ट आबू में स्थित है। इस संस्थान की विश्वव्यापी सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे यूनिसेफ (UNICEF) के साथ-साथ आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (ECOSOC) में सलाहकार का दर्जा प्रदान किया है।

सम्पर्क सूत्र:

बी.के. सुप्रिया
कार्यकारी सदस्या, शिक्षा प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.)
शान्तिवन, आबू रोड - 307 510 (राजस्थान)
E-mail: educationwing@bkivv.org, Mob. No.: 7597545115

Online Registration: accomabu.bkinfo.in
(Only through Brahma Kumaris Centres)